

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3,

देहरादून, दिनांक: 27फरवरी, 2013

विषय:- वित्तीय वर्ष 2012-13 में आवश्यकता से न्यून धनराशि प्राविधानित होने के कारण अतिरिक्त धनराशि की पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0 अर्थ-1/57953/5क(15)/01/2012-13 दिनांक: 08 फरवरी, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निवेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षा परिषद का अधिष्ठान के अन्तर्गत कठिपय मदों में पर्याप्त बजट प्राविधान न होने के कारण विभिन्न देयकों के भुगतान हेतु संलग्नक बी0एम0-09 (भाग एक) प्रथम में इंगित के विवरणानुसार अनुदान सं0 11 के अधीन आयोजनेतर पक्ष में रूपये 1435 हजार (रूपये चौदह लाख पैतीस हजार मात्र) को पुनर्विनियोजित करते हुए अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
- (2) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (3) किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (4) यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (5) जिला एवं मण्डल स्तर पर संचालित विकास कार्यों का नियमित अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं स्थलीय सत्यापन Task Force गठित कर सुनिश्चित कराया जाय।
- (6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 193/XXVII(1)/2012 दिनांक: 30.03.2012 एवं शासनादेश संख्या: 183/XXVII(1)/2012 दिनांक: 28.03.2012 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन किया जायेगा।

3— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान सं0 11 आयोजनेतर के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, 108-परीक्षाएं 03-माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं 04-माध्यमिक शिक्षा परिषद का अधिष्ठान आय-व्ययक में संलग्नक में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

(2)

4— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 63(NP)/XXVII(3)2012-13
दिनांक: 28 फरवरी, 2013 में प्राप्त सहमति के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक— यथोक्त।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

पुष्टांकन संख्या: 262/XXIV-3/13/02(25)2013 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2— निजी सचिव—सचिव, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन।
- 3— आयुक्त, कुमार्यू मण्डल नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 4— समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5— समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6— मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल—पौड़ी/कुमार्यू मण्डल—नैनीताल।
- 7— बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8— वित्त अनुभाग—3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 9— एनोआई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10— अनुभाग अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा अनुभाग—2, 4 एवं 5 उत्तराखण्ड शासन।
- 11— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव।

1

प्रति-विमुक्ति-मान्-प्रदा-

ਦੇਵੋ ਪ੍ਰਗਟ 139

पुस्तकालय

ब्रह्मवचो त नामः - अनुदान संख्या - ११

लेखा शोषक (प्रत्यक्ष योजना है)

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

लघु शैर्षक:- 108 परिक्लार्ण

उस शब्दके—**५४** नामोंमेंके [शब्द] पासमें का आविष्टान्

卷之三

निम्नलिखित निवियों से प्रस्तावित अंतरण		प्रिय निभाय द्वारा मत्ता		प्रिय निभाय द्वारा मत्ता जारी	
क्रमांक	वर्णन	क्रमांक	वर्णन	क्रमांक	वर्णन
1	लेखे का शीर्षक (15 उकीय कृति ये) पर उपलब्ध अनुदान/ निवियोग	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध वर्तमान आवेदन/ निवियोग	आवेदन की तिथि पर उपलब्ध वर्तमान आवेदन/ निवियोग	प्रिय निभाय द्वारा स्वीकृत अनुदान/ आवेदन-संतुष्टि/ आवेदन-नहीं	प्रिय निभाय द्वारा स्वीकृत अनुदान/ आवेदन- निवियोग (2+5)
2	2022-सालान्य निभा (आवेदन-नहीं)	3	4	5	6
3	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	4	5	6	7
4	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	5	6	7	8
5	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	6	7	8	9
6	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	7	8	9	10
7	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	8	9	10	11
8	202-सालान्य निभा (आवेदन-संतुष्टि)	9	10	11	12

प्रभाषित किया जाता है कि पेरा 133 व 134 में निचिरि शतों सीमाओं का इस पुनर्विनियोग में उल्लंघन नहीं किया गया है।

(2)

सेवा में,
महालेखाकार (ए पंड ई)
उत्तराखण्ड,
देहरादून।

हस्ताक्षर

नाम व पदनामसुनील श्री पाथरी
प्रशासनिक विभाग साधारणक शिक्षा अनुयाय-3
संख्या 262 / XXIV-3 / 02(25)13 दिनांक 20.02.2013

नियन्त्रिति को सुपार्श्व व आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महानिदेशक, नियालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- मुख्य / वरिष्ठ कोषदिक्पाली, विरोधकारी, साईबर ट्रेजरी, 23-लेफ्टी रोड, लालगढ़ा, देहरादून।
- 4- वित्त (क्षय नियन्त्रण) अनुयाय, वित्त अनुयाय-3 उत्तराखण्ड शासन।

हस्ताक्षर

नाम व पदनाम
वित्त विभाग

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2012-2013)

बी.एम. - ८७

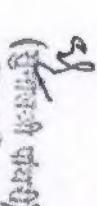
अनुदान संख्या - 011
पुनर्विनियोग स्थीरता बारें संख्या -

बलोटेट आईडी - R1303110140
दिनांक - 06-Mar-2013
(In Rupees)

क्रम संख्या	बजट भागीदार रेखा लेखालिहाई (1)	भागीदार भद्रवार बजट विकल्प न्यू	वित्तीय वर्ष के बनाते हैं विकल्प बहुभावित वर्ष (3)	बजेता समाचारित समाचारित वर्ष (4)	लेखालिहाई विद्यों परायाँ भागीदारित की वारी है (5)	पुनर्विनियोग के बारे में वारे स्थान - ५ की कुल धनराशी (6)	पुनर्विनियोग के बारे में वारे स्थान - १ में कुल धनराशी (7)	अधिकारी (In Rupees)
2202	साधारण विद्या				2202 साधारण विद्या			
02	मानविक विद्या				02 मानविक विद्या			
108	परीक्षाएं				108 परीक्षाएं			
04	मानविक विद्या परिवर्त का विविधान				03 मानविक विद्या परिवर्त			
00	मानविक विद्या परिवर्त का विविधान (Non Plan Voted)				00 मानविक विद्या परिवर्त (Non Plan Voted)			
1	03 - महंगाई भत्ता	14280000	13924948	155052	04 - यात्रा भत्ता	200000	1344000	7544000
2	05 - अन्य भत्ते	2520000	1306058	413942	800000			14080000
3	16 - व्यावसायिक तथा विशेष से	400000	31850	68150	300000			1720000
4	45 - अन्यकार्य यात्रा व्यय	100000	8565	47435	44000			100000
								56000

प्रमाणित लिखा बाता है कि पुनर्विनियोग से बजट धनराशी के परिवर्तन 13.३, 13.४ - वर्जिनियत भागीदारों पर्याप्ती का उत्पादन नहीं होता।

पुनर्विनियोग विद्ये जाने हेतु प्रत्य 15 की रूप भत्ते वित्तीय वारा सेप्ट 23-वारी तक भागीदारों द्वेष्टात को उपलब्ध नहीं होता।

(
ज्ञानेश्वरी वर्धमान
लिखालिहाई विद्या विषयां
उत्तराखण्ड शासन